सफलता की कहानी...

विकास का नया अध्याय लिख रही नानेर ग्राम सेवा सहकारी समिति

गांव-गांव में फैली ग्राम सेवा सहकारी समितियां प्रदेश के विकास का एक नया अध्याय लिख रही हैं। ये समितियां न केवल किसानों और पशुपालकों को जीवन की नई दिशा दे रही हैं, बल्कि गांवों में आवश्यक सुविधाओं की पूर्ति में भी अपना अहम योगदान दे रही हैं। टोंक की पीपलू तहसील की नानेर ग्राम सेवा सहकारी समिति ने इस दिशा में दो कदम आगे बढ़ाते हुए सहकारिता के क्षेत्र में मिसाल कायम की है।

वर्ष 1959 से स्थापित ग्रामीण नानेर ग्राम में 31 प्राथमिक सदस्यों के साथ स्थापित की गई सहकारी समिति ने आज क्षेत्र के विकास को नया आयाम दिया है। यह समिति वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के साथ-साथ मेडिकल स्टोर सहित अन्य कई सेवाएं संचालित कर रही है, जिनसे बड़ी संख्या में किसान और आमजन लाभान्वित हो रहे हैं। यह समिति अपने प्राथमिक कार्यों उचित दर पर ऋण, उत्तम किस्म के खाद-बीज एवं कीटनाशक तथा उपभोक्ताओं को उच्च गुणवत्तायुक्त वस्तुएं उपलब्ध करवाने के साथ ही सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी कर रही है।

मनरेगा के 1276 खाते, दो करोड़ का ऋण वितरण

आज के समय की महत्वपूर्ण आवश्यकता वित्तीय समावेशन को पूरी तरह साकार करने की ओर अग्रसर यह समिति वर्ष 1988 से मिनी बैंक का कार्य संपादित कर रही है। वर्तमान में इस समिति की ओर से संचालित मिनी बैंक में सदस्यों की करीब साढे तीन करोड़ रुपए की अमानत राशि जमा है, जो इस मिनी बैंक की कार्य कुशलता की परिचायक है। इतना ही नहीं समिति प्रतिवर्ष करीब 2 करोड़ रुपए का ऋण वितरण करती है। समिति के व्यवस्थापक श्री महावीर प्रसाद पारीक ने बताया कि मिनी बैंक में मनरेगा के तहत 1276 खाते भी संचालित हैं।

राशन सामग्री के साथ मेडिकल स्टोर की भी सुविधा

उल्लेखनीय है कि इस सहकारी समिति ने अपना दायरा बढ़ाते हुए सामाजिक दायित्वों का निर्वहन भी बखूबी किया है। समिति द्वारा सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत उपभोक्ताओं को राशन सामग्री उपलब्ध करवाई जा रही है। इसके अलावा ग्रामीण क्षेत्र में मेडिकल दुकानों की कमी को देखते हुए वर्ष 2010 से मेडिकल स्टोर का संचालन कर उचित दर पर दवाइयां भी उपलब्ध करवाई जा रही हैं। किसानों को कृषि आदान की आपूर्ति समय पर हो सके और हमेशा यथोचित भण्डार मौजूद रहे। इसी को ध्यान में रखते हुए समिति ने भण्डार व्यवस्था पर भी काफी जोर दिया है। आज यहां 100 मैट्रिक टन के दो व 50 मैट्रिक टन का एक गोदाम तथा दो दुकानें व कार्यालय भवन मौजूद हैं।

57 साल से लगातार मुनाफे में

किसी भी संस्थान के अनवरत रूप से सफल संचालन के लिए आवश्यक है, उसकी आय का नियमित स्रोत और इसके लिए आवश्यक है कुशल वित्तीय प्रबंधन। इस सहकारी समिति ने अपनी स्थापना से लेकर आज तक लगातार मुनाफा कमाकर अपनी सुदृढ़ प्रबंध व्यवस्था को साबित किया है। वर्ष 2014-15 में समिति को 5.33 लाख रूपए का लाभ हुआ है।

सफल संचालन के पीछे यह है राज

समिति की सफलता के पीछे का राज यह है कि इस समिति के अध्यक्ष तो सहकारिता आंदोलन के महत्वपूर्ण प्रतिभागी हैं ही, अन्य सदस्य भी सहकारिता से पूरी तरह ओत-प्रोत हैं। समिति के अध्यक्ष श्री नारायण पटेल सहकारिता के प्रति किस हद तक समर्पित हैं, उसका पता इसी से चल जाता है कि वे वर्ष 1959 से लगातार 11वीं बार समिति के अध्यक्ष चुने गए हैं। इसी तरह समिति का संचालक मण्डल भी जागरूक एवं कर्तव्यशील है। समिति के अध्यक्ष श्री पटेल क्रय-विक्रय सहकारी समिति टोंक में वर्ष 1973 से 1978 तक अध्यक्ष रहे हैं, इसके अलावा प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक, टोंक के संचालक सदस्य रहे हैं। श्री पटेल सहकारिता के क्षेत्र में अपनी लोकप्रियता के कारण ही वर्ष 1992 में टोंक केन्द्रीय सहकारी बैंक के अध्यक्ष पद पर भी निर्वाचित हुए। श्री नारायण पटेल को सहकारिता केक्षेत्र में उत्कृष्ट सेवाओं के लिए इफको द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। समिति के व्यवस्थापक श्री महावीर प्रसाद पारीक भी जिला स्तर पर उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित हो चुके हैं। समिति के सदस्य श्री शिवराज चौधरी, श्री सत्यनारायण टेलर, श्री केदार लाल यादव भी समिति के सफल संचालन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

फैक्ट फाइल

1. समिति का नाम व पंजीयन - नानेर ग्राम सेवा सहकारी समिति, जिला टोंक,पंजीयन-31 मार्च, 1959
2. मुख्य कार्य - राशन सामग्री का वितरण, मिनी बैंक एवं मेडिकल स्टोर का संचालन
3. कुल ऋण वितरण - करीब 2 करोड़ रुपए प्रतिवर्ष
4. मिनी बैंक की अमानत राशि - करीब 345 लाख रूपए
5. वर्ष 2014-15 का लाभ - 5.33 लाख रूपए